AAV-001-0012123 Seat No. _____

B. A. (CBCS) (Sem. II) Examination

April / May – 2016

Hindi : Paper - IV

(आधुनिक हिन्दी गद्य – दौड उपन्यास)

(Elective - II)

Faculty Code : 001
Subject Code : 0012123

Time : $2\frac{1}{2}$ Hours] [Total Marks : **70**

सूचना : प्रश्न १ M.C.Q. प्रश्नों के उत्तर उत्तरवही में ही लिखिए ।

१ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर बहुविकल्प में से सही उत्तर पसंद करके लिखें : २०

(1) ममताजी के पिता का नाम क्या है ?

(A) विद्यानिवास (B) विद्याशंकर शर्मा

(C) अरविंद कालिया (D) विद्याभूषण अग्रवाल

(2) ममताजी के कलीग्स उन्हें बड़े प्यार से क्या कहकर पुकारते थे ?

(A) प्रिन्सिपाल (B) बड़ी दीदी

(C) शैतान की माँ (D) प्राध्यापिका

(3) दौड़ का साहित्य प्रकार कौन–सा है ?

(A) एकांकी (B) नाटक

(C) लघु–उपन्यास (D) बृहद कहानी

(4) 'दौड़' उपन्यास की कथा किस प्रांत से जुड़ी हुई है ?

(A) हरियाणा (B) गुजरात

(C) आसाम (D) केराला

(5) ममता कालिया लिखित 'दौड़' उपन्यास का प्रधान चरित्र कौन है ?

(A) पवन (B) सघन

(C) स्टेला (D) राकेश

(6) पवन की माता का नाम क्या है ?

(A) रेखा (B) सुधा

(C) रमा (D) रश्मि

(7) सघन पाण्डे को घर में सबसे ज्यादा डर किसका था ?

(A) पिताजी (B) कुत्ते

(C) बड़े भाई (D) चूहे

(8) कथानायक पवन पाण्डे किस शहर का रहने वाला है ?

(A) काशी (B) गुजरात

(C) मुंबई (D) इलाहाबाद

(9) शरद जैन किस कम्पनी में काम करता था ?

(A) सनशाई पॉलिश (B) आइ.ओ.सी.

(C) एल.पी.जी. (D) एशियन पेण्ट्स

(10) बूट पॉलिश के सबसे बडा़ उपभोक्ता कौन है ?

(A) ऑफिसर (B) स्कूल विद्यार्थी

(C) डोलर (D) मजदूर

(11) गुर्जर गैस का सीधा मुकाबला किस कम्पनी के साथ है ?

(A) भारत गैस (B) रिलायन्स गैस

(C) आई.ओ.सी. (D) हिन्दूस्तान गैस

(12) शरद जैन के पिता अपने बेटे को कौन–सी डिग्री दिलाना चाहते थे ?

(A) B.A. (B) B.B.A.

(C) M.B.B.S. (D) B.R.S.

(13) किरीट देसाई के द्वारा अपनाये गये सरल मार्ग मिशन के प्रधान स्वामी कौन है ?

(A) कृष्णस्वामी (B) नित्यानंद स्वामी

(C) प्रमुख स्वामी (D) निजानंद स्वामी

(14) स्टैला के माता–पिता किस संप्रदाय से जुड़े हुए थे ?

(A) हिन्दू–मुस्लिम (B) सिन्धी–ईसाई

(C) शीख–ईसाई (D) हिन्दू–जैन

(15) सघन बी.एस.सी. के बाद कौन–सा कोर्स कर रहा था ?

(A) मीडिया लेखन (B) एम.एस.सी.

(C) कम्प्यूटर हार्डवेयर (D) बी.बी.ए.

(16) रेखा का चचेरा भाई किस शहर में मार्केटिंग मैनेजर था ?

(A) अहमदाबाद (B) भागलपुर

(C) इलाहाबाद (D) नागपुर

(17) सघन को किस देश की सोफ्टवेयर कम्पनी ने नौकरी के लिए बुलावा भेजा ?

(A) चीन (B) जापान

(C) ताइवान (D) अमरिका

(18) सोनी साहब के पुत्र का नाम क्या था ?

(A) संजय (B) स्वप्निल

(C) सिद्धार्थ (D) संकेत

(19) पवन अपनी माँ के लिए ढाका से क्या लाता है ?

(A) वॉकमेन (B) मलमल

(C) आभूषण (D) ढाकाई साड़ियाँ

(20) स्टैला सुबह–सुबह पवन की माँ के लिए क्या लेकर आती है ?

(A) अखबार (B) चाय

(C) फूलों का गुलदस्ता (D) नास्ता

२ दौड़ उपन्यास की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए । १०

अथवा

२ उपन्यास के तत्वों के आधार पर दौड़ उपन्यास की समीक्षा कीजिए । १०

३ सघन का चरित्र–चित्रण कीजिए । १०

अथवा

३ स्टैला का चरित्र–चित्रण कीजिए । १०

४ निम्नलिखित विषयों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(अ) दौड़ उपन्यास की समस्या । ८

अथवा

(अ) दौड़ उपन्यास की भाषा–शैली । ८

(ब) दौड़ उपन्यास का शीर्षक । ८

अथवा

(ब) दौड़ उपन्यास का अंत । ८

५ (अ) निम्नलिखित गद्यांश का गुजराती में अनुवाद कीजिए । ७

आलस हमारा सबसे बड़ा शत्रु है । हमें स्वयं कुछ करना, मौलिक ढंग से सोचना पसंद नहीं है । दूसरे हमारे लिए कुछ करे, वैसी ही हम अपेक्षा करे, इसलिए गुरु की आवश्यकता रहती है । ऐसा नहीं कि गुरु का कुछ महत्त्व तो नहीं है । जो हमे ठहरने, सोचने और प्रेरित करने में सहायता करते है, वे सब गुरु है ।

अथवा

(अ) निम्नलिखित गद्यांश का हिन्दी में अनुवाद कीजिए । ७

જે વિદ્યાભ્યાસી વાચન કરે છે અને પુસ્તકોની સાથે દોસ્તી બાંધે છે એની સ્થિતિ સામાજિક દૃષ્ટિએ ભલે કંગાળ હોય, પરંતુ એને સાથીદારોનો અભાવ સાલતો નથી. એની નાનકડી ઓરડીમાં વિશ્વબંધ વિભૂતિઓનો વાસ થાય છે. મહાન કવિઓ, લેખકો અને તત્ત્વચિંતકોની સહાનુભૂતિ એને પ્રાપ્ત થાય છે એના પ્રશ્નોનું નિરાકરણ થઈ જાય છે.

(ब) नीचे दिये गए प्रूफ संशोधन संकेतों का उपयोग करके प्रस्तुत परिच्छेद का प्रूफ रीडींग कीजिए : ७

(|, ◡, #, ∧,][, d, ,)

रेखा, राकेश, पवन, सघन के इर्द–गिर्द बुनी यहसाधारण सी कहानी आज हर तीसरे परिवार में दोहराई जा रही है । बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए माता–पिता जहाँ मिलवाकर सुख–सुविधाएँ समेते है, उन्हें महँगी और ऊँची शिक्षा देकर स्वप्निल दुनिया का दर वाजा दिखातें है, वही बच्चे इतने आगे निकल जाते है कि उन्हें माँ–बाप की कीमती क्षणों को याद करने का वक्त नहीं मिलता ।

अथवा

(|, ◡, #, ∧,][, d, ,)

(ब) दौड़ के गुजरना अवाक रह जाना है जहाँ हर महिने वेतन मिले, यही जगह अपनी होतीहै । इस वाक्य को मंत्र की तरह जीती युवा–पीढ़ी पूरे बार में खड़ी है । प्रति–स्परर्धा से प्रतिस्पर्धा की तरफ आती इस अंधी दौड़ में रि श्ते–नाते मानवीयता सब के सब अर्थहीन है । वहाँ स्मृतियाँ एकदम व्यर्थ है और सपने सिर्फ तरक्की से जुड़े है । दौड़ इन प्र भावों और तणनावों की पहचान कराता है । ७